संपादकीय

सफर का अगला दौर

देश में मोदी सरकार-2 की विधिवत शुरुआत हो गई है। गुरुवार शाम को नरेंद्र मोदी ने दूसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। उनके साथ उनके मंत्रिमंडल के कई सदस्यों ने भी शपथ ली। शपथ लेने से पहले मोदी ने महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धांजलि दी। उसके बाद वॉर मेमोरियल पहुंचकर शहीदों को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस तरह प्रधानमंत्री ने संदेश दिया कि उनके शासन में भी राष्ट्रपिता को यथोचित सम्मान मिलता रहेगा। अपने इस कदम के जरिये उन्होंने चुनावी माहौल में पैदा हुई इस आशंका को निर्मूल कर दिया कि दूसरी बार पूर्ण बहुमत से सत्ता में आई बीजेपी महात्मा गांधी से जुड़े प्रतीकों और नीतियों को खास तवज्जो नहीं देगी। यह भी कि अटल जी की सबको साथ लेकर चलने और अपने विरोधियों को भी गले लगाने वाली सोच इस सरकार का दिशा निर्देशक तत्व बनी रहेगी। प्रधानमंत्री का वॉर मेमोरियल के आगे सिर झुकाना राष्ट्र की सुरक्षा को लेकर उनकी सरकार की प्रतिबद्धता के अलावा इस संकल्प का भी द्योतक है कि भारतीय सुरक्षाकर्मियों को हर तरह की सहूलियत और इज्जत बख्शी जाएगी। प्रधानमंत्री ने न सिर्फ देश बल्कि दुनिया भर के महत्वपूर्ण लोगों के साथ अपनी खुशी और उपलब्धि साझा की। शपथ ग्रहण समारोह में करीब आठ हजार मेहमानों को आमंत्रित किया गया था। बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद अब्दुल हमीद, श्रीलंका के राष्ट्रपति एम सिरीसेना, किर्गीजिस्तान के राष्ट्रपति एस जीनबेकोव, म्यांमार के राष्ट्रपति यू विन मिंट, मॉरिशस के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जगन्नाथ, नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली, भूटान के प्रधानमंत्री डॉ. एल शेरिंग और थाइलैंड के विशेष प्रतिनिधि जी बूनरैक के साथ विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री, मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता और उद्योग, फिल्म तथा खेल जगत के महारथी इस समारोह में शामिल हुए। बिम्सटेक सदस्य देशों के नेता इसके खास आकर्षण रहे। बंगाल की खाड़ी से जुड़े सात देश भारत, बांग्लादेश, म्यांमार, श्रीलंका, थाईलैंड, नेपाल और भूटान इस संगठन में शामिल हैं। पिछले कुछ वर्षों में बिम्सटेक को मजबूती से खड़ा करने में भारत का अहम योगदान रहा है। नरेंद्र मोदी की वापसी से इसे और फलने-फूलने का मौका मिलेगा। यह शपथ ग्रहण समारोह प्रधानमंत्री और उनके सहयोगियों के साथ-साथ पूरे देश के लिए एक खास अवसर था। भारत में ऐसा पहली बार हुआ जब एक पार्टी के पूर्ण बहुमत वाली कोई गैर कांग्रेसी सरकार लगातार दूसरी बार सत्ता में आई है। यह महज एक चुनावी जीत नहीं, सामाजिक-आर्थिक विकास की एक यात्रा है, जिसके सूत्रधार नरेंद्र मोदी बने। देश की 130 करोड़ जनता ने उन्हें दोबारा चुनकर इस यात्रा को जारी रखने का निर्देश दिया है। मंत्रिमंडल के चयन में प्रधानमंत्री ने कई पुराने चेहरों को फिर से मौका दिया है तो कुछ नए सहयोगी भी शामिल किए हैं। उम्मीद करें कि जो काम, जो सपने पहले कार्यकाल में अधूरे रह गए वे इस दौर में जरूर पूरे होंगे।

अमेरिका ने भारत से जीएसपी दर्जा छीना

वाशिंगटन (आरएनएस)। प्रधानमंत्री के तौर पर अपनी दूसरी पार्टी शुरु करने के दूसरे दिन ही पीएम मोदी को ट्रंप सरकार ने बड़ा झटका दिया है। अमेरिका ने झटका देते हुए भारत को जीएसपी सूची से बाहर कर दिया है। भारत का जीएसपी दर्जा 5 जून 2019 को खत्म हो जाएगा।

ट्रंप प्रशासन के अनुसार उन्होंने ये फैसला इसलिए लिया है क्योंकि उन्हें भारत से ये आश्वासन नहीं मिल पाया है कि वह अपने बाजार में अमेरिकी उत्पादों को बराबर की छूट देगा। उनका कहना है कि भारत में पाबंदियों की वजह से उसे व्यापारिक नुकसान हो रहा है।

गौर हो कि इससे पहले ट्रंप ने चार मार्च को घोषणा की थी कि वह जीएसपी प्रोग्राम से भारत को बाहर करने वाले हैं। इसके बाद उन्होंने भारत को 60 दिनों की नोटिस अवधि दी थी जोकि तीन मई को खत्म हो गई। हाल ही में ट्रंप ने कहा कि भारत ने अब तक यह आश्वासन नहीं दिया है कि वह अपने बाजारों में अमेरिका को बेहतर पहुंच देगा।

जेनरलाइज्ड सिस्टम ऑफ प्रिफरेंसेज या सामान्य तरजीही प्रणाली (जीएसपी) अमेरिका की ओर से बाकी देशों को बिजनेस में दी जाने वाली छूट की सबसे पुरानी और बड़ी प्रणाली है जिसके तहत दर्जा पाने देशों को हजारों सामान बिना किसी शुल्क के अमेरिका को एक्सपोर्ट करने की छूट मिलती है, और भारत इसका सबसे बड़ा लाभार्थी देश रहा है। जीएसपी प्रोग्राम साल 1970 को शुरू हुआ था और भारत तभी से इसका लाभ उठा रहा है।

नईदिल्ली (आरएनएस)। मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल शुरू होने के दूसरे दिन आम आदमी को झटका लगा है। रसोई गैस सिलेंडर के दामों में फिर से बढ़ोतरी हो गई है।

बिना सब्सिडी वाला घरेलू एलपीजी सिलेंडर 1 जून से 25 रुपये महंगा हो गया। वहीं सब्सिडी वाला सिलेंडर भी एक रुपये 23 पैसा मंहगा हो गया है। सरकारी तेल मार्केटिंग कंपनियों ने कहा कि दिल्ली में एक जून से सब्सिडी वाला गैस सिलेंडर 497.37 का मिलेगा। 1 अप्रैल को भी दाम बढ़ाए गए थे, फिर 1 मई को भी एलपीजी के दामों में बढ़ोत्तरी हुई थी। जानकारी के अनुसार अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चा तेल महंगा होने और रुपये में आई कमजोरी के चलते गैस की कीमतों में इजाफा हुआ है।

लगातार तीसरे दिन घटे पेट्रोल, डीजल के दाम

नई दिल्ली (आरएनएस)। पेट्रोल और डीजल के दाम में शनिवार को लगातार तीसरे दिन कटौती का सिलसिला जारी रहा। तेल विपणन कंपनियों ने फिर दिल्ली में पेट्रोल के दाम में 11 पैसे, कोलकाता में पांच पैसे, मुंबई में छह पैसे जबकि चेन्नई में सात पैसे प्रति लीटर की कटौती की। डीजल शनिवार को दिल्ली में 15 पैसे, कोलकाता में छह पैसे, मुंबई में 11 पैसे जबकि चेन्नई में 12 पैसे प्रति लीटर सस्ता हो गया। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के अनुसार, शनिवार को दिल्ली, कोलकता, मुंबई और चेन्नई में पेट्रोल के दाम घटकर क्रमशः 71.62 रुपये, 73.74 रुपये, 77.28 रुपये और 74.39 रुपये प्रति लीटर हो गए। डीजल के दाम भी चारों महानगरों में घटकर क्रमशः 66.36 रुपये, 68.21 रुपये, 69.58 रुपये और 70.19 रुपये प्रति लीटर हो गए हैं।

व्यापारिक तनाव के कारण सोने में बढ़ी निवेश मांग

नईदिल्ली (आरएनएस)। व्यापारिक तनाव के कारण दुनियाभर में बनी अनिश्चिता के कारण निवेशकों का झुकाव पीली धातु की तरफ होने से शुक्रवार को सोने के भाव में जोरदार तेजी आई। सोने का भाव कॉमेक्स पर 16 डॉलर प्रति औंस से ज्यादा की उछाल के साथ 1,300 डॉलर प्रति औंस से ऊपर चला गया। अंतर्राष्ट्रीय बाजार से मिले मजबूत संकेतों से घरेलू वायदा बाजार एमसीएक्स पर सोने में तेजी बनी रही। एमसीएक्स पर सोना 275 रुपये प्रति 10 ग्राम से ज्यादा उछला।

केडिया कमोडिटी के डायरेक्टर अजय केडिया के अनुसार, अमेरिकी संरक्षणवाद की नीति के चलते दुनिया में अनिश्चितता का माहौल है इसलिए निवेशकों का झुकाव सुरक्षित निवेश की ओर है, जिसमें सोना उनकी पहली पसंद है। उन्होंने कहा कि अमेरिका मेक्सिको के साथ-साथ जर्मनी व अन्य यूरोपीय देशों से आयात पर शुल्क लगाना चाहता है, जबकि आयात शुल्क को लेकर अमेरिका और चीन के बीच पहले से ही व्यापारिक तनाव बना हुआ है। अंतर्राष्ट्रीय व्यापारिक तनाव के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था के विकास को लेकर अनिश्चितता की स्थिति बनी हुई है।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का अगस्त एक्सपायरी अनुबंध रात 22.05 बजे 259 रुपये यानी 0.87 फीसदी की तेजी के साथ 32,205 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था, जबकि इससे पहले भाव 32,229 रुपये प्रति 10 ग्राम तक उछला।

बंगलादेश के खिलाफ वापसी पर द. अफ्रीका की निगाहें

लंदन (आरएनएस)। आईसीसी विश्वकप-2019 में निराशाजनक शुरूआत से पस्त दक्षिण अफ्रीका रविवार को यहां बंगलादेश के खिलाफ जीत के साथ टूर्नामेंट में वापिस लय हासिल करने के लक्ष्य के साथ उतरेगी। दक्षिण अफ्रीका को इंग्लैंड के खिलाफ विश्वकप के पहले ही मुकाबले में 104 रनों के बड़े अंतर से हार झेलनी पड़ी थी। टीम के कप्तान फाफ डू प्लेसिस ने भी अपनी टीम को

वापसी के लिये हर हाल में मेहनत करने की हिदायत दी है, ऐसे में बंगलादेश के खिलाफ उसके खिलाड़ी अपनी तरफ से जीत के लिये पूरी कोशिश करेंगे।

द ओवल में हुये पिछले मुकाबले में दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाज़ों ने अच्छी शुरूआत के बाद लय गंवा दी थी और मेज़बान इंग्लैंड ने आठ विकेट पर 311 का बड़ा स्कोर बना लिया जिसके जवाब में विपक्षी टीम 207 रन पर ऑल आउट हो गयी थी। साफ है कि अगले मुकाबले में टीम को अपनी गेंदबाजी पर काफी ध्यान देना होगा। इंग्लिश पिचों पर पहले ही बड़े स्कोर वाले मुकाबलों की भविष्यवाणी की गयी है जिससे सभी टीमों के गेंदबाज़ों पर दबाव अधिक है।

वार्नर फिट, अफगानिस्तान के खिलाफ खेलेंगे

ब्रिस्टल (आरएनएस)। मौजूदा वर्ल्ड चैम्पियन आस्ट्रेलिया के कप्तान एरोन फिंच ने बताया कि सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर चोट से पूरी तरह से उबर चुके हैं और अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले 2019 विश्व कप के पहले मैच में खेलेंगे। दोनों टीमें शनिवार को यहां ब्रिस्टल काउंटी ग्राउंड में एक-दूसरे से भिड़ेगी। वार्नर को मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ पहले अभ्यास मैच के दौरान पांव चोट लगी थी और उनके स्थान पर उस्मान ख्वाजा ने दूसरे अभ्यास मैच में सलामी बल्लेबाज की भूमिका निभाई थी।

फिंच ने कहा, वार्नर पूरी तरह से ठीक हैं। वह अफगानिस्तान के खिलाफ खेंलगे इसमें किसी प्रकार का संशय नहीं है। आस्ट्रेलिया ने दोनों अभ्यास मैचों में जीत दर्ज की थी और पिछले संस्करण की तरह इस बार भी उसे विश्व कप के खिताब का प्रबल दोवदार माना जा रहा है। अफगानिस्तान के बाद आस्ट्रेलिया का सामना छह जून को वेस्टइंडीज से होगा।

अपने करियर में अर्जेंटीना के साथ ट्रॉफी जीतना चाहता हूं : मेसी

ब्यूनस आयस (आरएनएस)। महान फारवर्ड लियोनल मेसी ने माना कि वह अपने करियर में अर्जेंटीना के साथ एक ट्रॉफी जीतना चाहते हैं। अर्जेंटीना की टीम अगले महीने ब्राजील में होने वाले कोपा अमेरिका टूर्नामेंट में भाग लेगी। टीम ने पिछले 26 वर्षों से कोई अंतर्राष्ट्रीय ट्रॉफी नहीं जीती है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अुनसार, पांच बार बैलोन डी ओर का खिताब जीत चुके मेसी 2014 फीफा विश्व कप और

2015 एंव 2016 कोपा अमेरिका टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने वाली टीम का हिस्सा थे।

मेसी ने शुक्रवार को कहा, मैं राष्ट्रीय टीम के साथ कुछ जीतकर अपने करियर का अंत करना चाहता हूं। मैं इस सोच के साथ नहीं जाना था कि कुछ चीजें सही नहीं हुई। मैं खुद को संभालकर दोबारा कोशिश करना चाहता हूं। जिंदगी यही है, आप गिरते और फिर उठकर अपने सपने को पूरा करने का प्रयास करते हैं। उन्होंने कहा कि उनके परिवारिक जिंदगी ने उन्हें हार झेलना सिखाया है, चाहे वह बार्सिलोना के लिए खेले या अर्जेंटीना के लिए।

मेसी ने कहा, हार से दुख होता है, लेकिन मैं उससे अलग तरीके से जूझता हूं। जब मेरा बड़ा थियागो पैदा हुआ मेरे जीवन की प्राथमिकताएं बढ़ गई। हारना बुरा लगता है, लेकिन अब जब मैं अपने घर पहुंचता हूं तो अपनी पत्नी और बच्चों को देखकर सब भूल जाता हूं। पहले मैं घर जाकर टीवी नहीं देखता था या खाना नहीं खाता था, लेकिन अब मुझे बच्चों के साथ ऐसा करना पड़ता है। अर्जेंटीना ने आखिरी बार 1993 में कोपा अमेरिका का खिताब जीता था।

आज का राशिफल

मेषः- आज का दिन आपके लिए बेहतर है। परिश्रम से आपके कार्य बनेंगे और दैनिक कार्य की गति अनुकूल रहेगी। मान-सम्मान और प्रभाव में वृद्धि होगी। नौकरी-व्यवसाय में चल रही समस्या हल होगी।

वृषभः- व्यर्थ की बाधा और वाद-विवाद से मन अशांत रहेगा। क्रोध से बचें वरना हानि होने की आशंका है। वाहन चलाते समय सावधानी बरतें। जोखिम वाले काम और निर्णय से आज बचना होगा।

मिथुनः- आज का दिन आपके लिए शुभ है। आपके मन के अनुरूप कार्य संपन्न होंगे। मनोनुकूल लाभ होगा। नई योजनाओं के शुरुआत होने का योग है।

कर्कः- सुख-समृद्धि में वृद्धि होगी। यात्रा से लाभ मिलेगा। आज अपनो से सहयोग मिलेगा। परिचय का दायरा बढ़ाएं, नए संबंध भविष्य में लाभदायक रहेंगे।

सिंहः- व्यापारिक लाभ व नौकरी में इच्छा अनुकूल परिवर्तन की संभावना है। आपकी पारिवारिक स्थिति भी आज अनुकूल रहेगी। मित्रों से पूरा सहयोग मिलेगा।

कन्याः- ग्रह नक्षत्रों की स्थिति आज आपके पक्ष में नहीं है। कुछ प्रतिकूल घटनाओं से परेशान हो सकते हैं। जोखिम पूर्ण कार्यों से बचें, वाहन सावधानी पूर्वक चलाएं।

तुलाः- कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनेंगे, शुभ समाचार मिलेगा। साझेदारी में लाभ होगा। सगे-संबंधी और मित्रों से सहयोग मिलेगा। शत्रु पक्ष कमजोर रहेगा।

वृश्चिकः- मित्रों और पुराने परिचितों से मुलाकात होगी, आनंदित रहेंगे। आय और मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नौकरी और व्यवसाय में लाभ के योग हैं।

धनुः- मन प्रसन्न रहेगा और चली आ रही परेशानियों से राहत महसूस करेंगे। स्वस्थ्य नरम रह सकता है। धन व्यर्थ में खर्च होने के योग हैं। खान-पान का ख्याल रखें।

मकरः- घरेलू उलझनों की वजह से मन अशांत रहेगा। वाणी में संयम रखें अन्यथा परिवार में क्लेश की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। वाद-विवाद करने से भी बचें।

कुंभः- आज का दिन काफी व्यस्त रहेगा। बेवजह की भागदौड़ की स्थिति बन रही है। हालांकि इसी दौरान तीर्थ यात्रा का योग भी योग बन रहा है।

मीनः- आज की गई यात्रा से लाभप्रद रहेगी। मेहनत और सतर्कता से आज आपको नए अवसर मिलेंगे। अपने सहयोग देंगे इससे मन हल्का रहेगा और चिंता दूर होगी, मन प्रसन्न होगा।

पनीर डोसा बनाने की विधि ...

सामग्री

1 कटोरी रेडिमेड डोसा बेटर, 100 ग्राम चने की दाल, 150 ग्राम पनीर, 3 आलू (उबले हुए), 1 प्याज, 7-8 करी पत्ता, 1 चम्मच राई, 2 सूखी लाल मिर्च, 1 चम्मच अदरक पेस्ट, 1 छोटा चम्मच हल्दी, 1 छोटा चम्मच लाल मिर्च, नमक स्वादानुसार, तेल आवश्यक्तानुसार।

विधि-

सबसे पहले एक बॉउल में डोसा बेटर को निकाल कर कुछ देर के लिए अलग रख दें। अब एक पैन में धीमी आंच पर तेल गर्म करें और राई और सूखी लाल मिर्च डालकर भून लें। अब प्याज को पैन में डालकर सुनहरा होने तक चलाते हुए पका लें। अब कुछ देर बाद चने की दाल के दाने डालकर भून लें। अब पैन में आलू और पनीर को मैश करके डालें और मिक्स कर लें।इसके बाद पैन में अदरक के लच्छे, हल्दी, नमक और लाल मिर्च डालकर अच्छे से मिक्स कर लें। अब ऊपर से आलू-पनीर की स्टफिंग में करी पत्ते को हाथ से तोड़कर डालें और मिक्स करके 5 मिनट तक भून लें।अब धीमी आंच पर एक तवे को गर्म करें और उस पर पानी डालकर हल्का ठंडा करके उस पर एक बड़े चम्मच की मदद से डोसे के बेटर को डालें और गोल-गोल घुमाते हुए पतला डोसा बनाकर उस पर थोड़ा सा तेल छिड़कें।जब डोसे के दोनो तरफ से सुनहरा सिकने के बाद बीच में पनीर-आलू की स्टफिंग भरें और फोल्ड करके प्लेट पर निकालकर रख लें। अब पनीर डोसा तैयार है अब इसे नारियल की चटनी के साथ सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य- 82

बाएं से दाएं
1. याद, स्मरण 3. अग्नि, आग, पवित्र करने वाला 6. गौ जाति का नर 8. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 10. मुस्कुराहट, तबस्सुम 11. खारा, नमक के स्वाद जैसा 14. मुख्यभाग, निचोड़ 16. पिंडली व एड़ी के बीच की दोनों ओर उभरी हड्डी, गुल्फ 18. अद्भुत, विचित्र 21. सम्राट, बादशाह, नरेश 22. कृति, निर्माण करना, बनाना 23. बड़ी थाली 24. समूह, दल 26. एहसानमंद, कृतज्ञ 27. ध्वनि, सदा 28. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर।

ऊपर से नीचे
2. अपमान, अनादर, अवज्ञा 3. जल, नीर, अम्बु 4. वाणी, वादा, कथन 4. कर्म शब्द का अपभ्रंश, भाग्य 7. लकड़ी का घूमने वाला एक गोल खिलौना, बिजली का बल्ब 9. लोग, प्रजा 10. यात्री, राही, पथिक 12. कीड़ा 13. चोचला, अदा 15. दंड 17. अवैध, अनुचित 18. जो आधिकारिक न हो, जो अधिकार प्राप्त न हो 19. जैसा होना चाहिए ठीक वैसा, सत्यपरक, वाजिब 20. ताकत, शक्ति 24. प्रश्न, समस्या 25. घटना, घटना का वर्णन 26. एक प्रसिद्ध पक्षी जो रात में विचरण करता है, लक्ष्मीजी की सवारी 27. पानी, चमक।

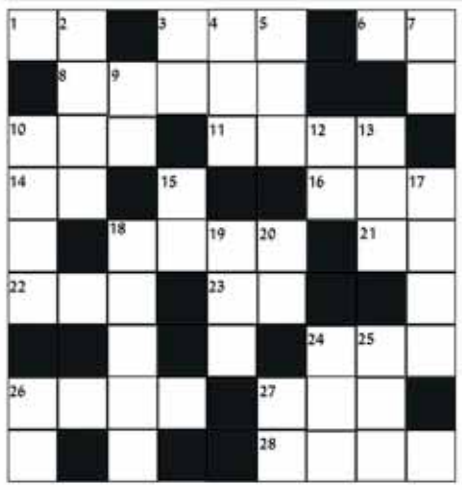

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 81 का हल

टे	ढ़ा	मे	ढ़ा	■	म	हा	र	त
क	■	ह	■	■	■	■	ज	न
■	जा	न	की	■	क	म	नी	य
■	■	त	म	क	ना	■	■	■
म	■	■	त	ह	त	■	दा	ब
सी	मा	■	■	ला	■	स	न	द
हा	थ	म	ल	ना	■	वा	■	च
■	■	द	■	■	घा	ल	मे	ल
■	ब	द	ह	वा	स	■	■	न

सू-दोकू- 82

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक रख सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.81 का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1